

देश में गरीबी, भ्रष्टाचार- सामाजिक असमानता बड़ी चुनौती: मनमोहन

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रदेश से राज्यसभा सांसद डॉ. मनमोहन सिंह भारत में अभी अच्छी लीडरशिप की सख्त जरूरत है। लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए सिद्धांतवादी, दूरदर्शी नेताओं की आवश्यकता है। देश में गरीबी, सामाजिक असमानता, बढ़ती आबादी, संप्रदायवाद, भ्रष्टाचार और धार्मिक चरमपंथ लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती है। वे शनिवार को जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में फैकल्टी मेंबर्स, स्टूडेंट्स, पैरेंट्स भारी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्हें जेकेएलयू लॉरेट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सिंह ने अर्थ व्यवस्था पर कहा कि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक बेहतर सोच वाली राष्ट्रीय रणनीति अपनाने की



आवश्यकता है। वर्तमान में हमारा देश मंदी की हालत से गुजर रहा है। जीडीपी का स्तर गिर रहा है। निवेश दर स्थिर पड़ गया है। किसान दबाव में है। बैंकिंग सेक्टर भी संकट का सामना कर रहे हैं। हमारे युवा, किसान और मजदूर, उद्यमी और हाशिये पर खड़े लोग बेहतर पाने की योग्यता रखते हैं। भारत इस लगातार गिरती अर्थव्यवस्था को सहन नहीं कर पाएगा।